अगर कोई ऐसा समय है जब हम अपने उद्धार को खेल-तमाशा नहीं समझ सकते, तो वह यही समय है। क्योंकि एक दिन हम अचानक और बड़े बदलाव देखेंगे मसीह की कलीसिया में… वह समय जब प्रभु यीशु एक ऐसा कदम उठाएंगे जो उन्होंने इस धरती से चले जाने के बाद कभी नहीं उठाया। वह कदम है—अपने मन्दिर के द्वार में प्रवेश करना और उसे बंद कर देना।

शायद आप यह सब अपनी आँखों से देखेंगे, ज्यादा दूर नहीं। याद रखिए, बाइबल मसीह की कलीसिया की तुलना अपने मन्दिर से करती है (इफिसियों 2:19-22)। जब आप हेज़ेकियल की पुस्तक पढ़ेंगे, तो आपको वह घटनाएँ दिखेंगी जो परमेश्वर के मन्दिर से जुड़ी हैं। आप देखेंगे कई द्वार खुले हैं, लेकिन 44वें अध्याय में अचानक पूर्व की ओर वाला द्वार बंद कर दिया जाता है। हेज़ेकियल को बताया जाता है कि वह द्वार फिर कभी नहीं खोला जाएगा, और कोई भी उस द्वार से प्रवेश नहीं करेगा।

आइए पढ़ते हैं:

हेज़ेकियल 44:1-2
“फिर उसने मुझे बाहर के द्वार से वापस किया, जो पवित्र स्थान की पूर्व दिशा की ओर था; वह बंद था।

और प्रभु ने मुझसे कहा, यह द्वार बंद रहेगा, इसे खोला नहीं जाएगा, और कोई भी इस द्वार से प्रवेश नहीं करेगा, क्योंकि यह्रूशलेम का परमेश्वर, इस्राएल का प्रभु, इसी द्वार से गया है। इसलिए यह द्वार बंद रहेगा।”

देखिए, कारण यह है कि प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर (यानि मसीह) उसी द्वार से गया है। इसका मतलब यह द्वार विशेष रूप से उसके लिए रखा गया था, किसी और के लिए नहीं। वह ही उस द्वार के लिए खुला था जब तक वह वापस न आए। पहले जो लोग उस द्वार से प्रवेश करते थे, वह केवल कृपा से था, पर वह स्थायी नहीं था।

यह बात आंशिक रूप से पूरी हो चुकी है, लेकिन यह अंतिम दिनों की भविष्यवाणी भी है, जब कृपा का द्वार बंद होगा।

भाई, वह द्वार जिसे हम आज ‘कृपा का द्वार’ कहते हैं, परमेश्वर ने हमारे लिए नहीं बल्कि यीशु मसीह के कारण खुला रखा है। वह द्वार मसीह का है, हमारा नहीं। और एक दिन वह उसे बंद कर देगा, फिर वह उससे होकर जाएगा, और एक बार बंद होने के बाद वह हमेशा के लिए बंद रहेगा।

जो अंदर होगा, वह उसका रहस्य है और जो अंदर होंगे उनका भी। इसलिए जब आपको सुसमाचार सुनने को मिले या पाप से पश्चाताप करने को कहा जाए, यह मत समझिए कि परमेश्वर विशेष रूप से आपको देख रहा है।

परमेश्वर केवल मसीह को देखता है! जब उसने कदम उठा लिया और द्वार बंद कर दिया, तो वापसी नहीं होगी। तब बहुत रोना और दांत पीसना होगा, जैसा यीशु ने कहा – यह मजाक नहीं था। कुछ लोग सच में दर्द से रोएंगे, चाहे वे आधा घंटा भी पीछे जाना चाहें और अपने काम ठीक करना चाहें, पर तब बहुत देर हो चुकी होगी।

लूका 13:24-28
“तुम मेहनत से उस संकरी राह से होकर प्रवेश करो, क्योंकि मैं तुमसे कहता हूँ कि बहुत लोग प्रवेश करना चाहेंगे और वे नहीं कर पाएंगे।
जब घर के स्वामी खड़ा होगा और द्वार बंद करेगा, और तुम बाहर खड़े रहकर द्वार खटखटा कर कहोगे, हे प्रभु, हमें खोल दे, तो वह जवाब देगा, मैं तुम्हें नहीं जानता।
तब तुम कहने लगोगे, हमने तेरे सामने खाना खाया, पीया और तुझे हमारी गलियों में सिखाया।
वह जवाब देगा, मैं तुमसे कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता। तुम सब अपराधी, मुझसे दूर हटो।
तब वहाँ बहुत रोना और दांत पीसना होगा।”

याद रखिए: यह समय पकड़ लेने का नहीं है। पकड़ अभी बाद में होगी। उस समय आप मसीह को जानना चाहेंगे, लेकिन नहीं जान पाएंगे, क्योंकि अब पवित्र आत्मा आपके ऊपर नहीं रहेगा (यूहन्ना 6:44)।

उस समय के बाद ही पकड़ होगा, और जो मसीह को स्वीकार नहीं करेगा, वह यहीं इस दुनिया में रहेगा, और उसके बाद बड़ी त्रासदी होगी, मौत होगी और ज्वालामुखी के आग के नर्क में जाना होगा। जैसा आज हम देखते हैं, हम समय के अंतिम दिनों में हैं। यह संसार कब का खत्म हो जाना चाहिए था, जैसा कि बाइबल ने बताया है, लेकिन सभी चिन्ह बताते हैं कि कभी भी कुछ भी अचानक बदल सकता है। द्वार बंद हो जाएगा और कई लोग प्रवेश के लिए कोशिश करेंगे लेकिन वे असफल होंगे।

इस कहानी को पढ़िए और यह समझिए कि कैसे मूर्ख दुल्हनों ने वापस आकर देखा कि द्वार बंद है, और सोचिए कि आज की कई मसीही संगठनों का क्या होगा।

मत्ती 25:1-13
“तब स्वर्ग का राज्य दस कन्याओं के समान होगा, जिन्होंने अपनी मशालें लीं और दूल्हे का स्वागत करने बाहर निकलीं।
उनमें से पाँच मूर्ख थीं और पाँच समझदार।
मूर्खों ने अपनी मशालें लीं, पर तेल साथ नहीं लिया;
समझदारों ने अपने तेल के बर्तन मशालों के साथ लिए।
जब दूल्हा देरी से आया, तो वे सभी सो गईं।
रात के बीच में चिल्लाहट हुई, ‘देखो, दूल्हा आ रहा है! बाहर जाओ और उसका स्वागत करो।’
तभी वे सारी उठीं और अपनी मशालें तैयार करने लगीं।

मूर्खों ने समझदारों से कहा, ‘हमें अपना तेल दो, क्योंकि हमारी मशालें बुझने लगी हैं।’
समझदारों ने जवाब दिया, ‘नहीं, इससे हमारे और तुम्हारे लिए भी नहीं बचेगा। तुम बाज़ार जाओ और अपने लिए खरीद लो।’
जब वे खरीदने गईं, तो दूल्हा आया। जो तैयार थे, वे उसके साथ शादी में प्रवेश कर गए, और द्वार बंद हो गया।
बाद में वे अन्य कन्याएं भी आईं और कहने लगीं, ‘प्रभु, प्रभु, हमें खोलो।’
पर वह जवाब दिया, ‘सत्य कहता हूँ, मैं तुम्हें नहीं जानता।’ इसलिए जागते रहो, क्योंकि न तुम दिन जानते हो, न समय।”

क्या तुम अभी भी उस द्वार के बाहर हो? याद रखो, जब वह द्वार बंद हो जाएगा, वह फिर कभी नहीं खुलेगा। (और यीशु वह द्वार हैं!) बेहतर है कि आज ही अपने पापों से पश्चाताप करो, ताकि परमेश्वर तुम्हें माफ़ कर सके और अनंत जीवन दे सके।

प्रकाशितवाक्य 22:17
“और आत्मा और दुल्हन दोनों कहते हैं, ‘आओ!’ जो सुनता है वह कहे, ‘आओ!’ और जो प्यासा है वह आओ; और जो चाहे वह जीवन का जल निःशुल्क ग्रहण करे।”

प्रभु तुम्हें आशीर्वाद दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp